RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com
DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 17 APRIL TO 23 APRIL 2024 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 30 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

जीई एयरोस्पेस स्वतंत्र और निवेश-श्रेणी की सार्वजनिक कंपनी के तौर पर लॉन्च हुई

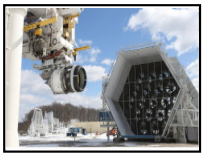

Page 3

एआई को मानव के विकल्प कीबजाय सहयोगी की तरह प्रस्तुत किया जाना चाहिए मानव-केंद्रित एआई

Page 5

भारतीय सेना हो रही ताकतवर; अब अमेरिका ने भी कबूला, कहा- चीन को पछाड़ने की तैयारी

Page 7

editoria!

बढ़ता डिजिटल सेवा निर्यात

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना तकनीक से संबंधित वस्तुओं के बढ़ते निर्यात के साथ- साथ भारत डिजिटल माध्यम से मुहैया करायी गयीं सेवाओं के निर्यात में भी वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है. विश्व व्यापार संगठन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2023 में भारत ने 257 अरब डॉलर मूल्य के ऐसी सेवाओं का निर्यात किया है, जो 2022 की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है. इस क्षेत्र में भारत जर्मनी और चीन को पीछे छोड़ते हुए चौथे स्थान पर आ गया है. अब भारत से आगे केवल अमेरिका, ब्रिटेन और आयरलैंड हैं. डिजिटल माध्यम से सेवा मुहैया कराने का अर्थ यह है कि कंप्यूटर नेटवर्क का इस्तेमाल कर शिक्षा, गेमिंग, मनोरंजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि के लिए दक्ष ऑपरेटर, कुशल प्रोग्रामर और कोडिंग विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देते हैं. वैश्विक सेवा व्यापार में डिजिटल माध्यम से मुहैया करायी जाने वाले सेवाओं का हिस्सा अब 20 फीसदी से भी ज्यादा हो गया है. यह आंकड़ा 2005 में 14 प्रतिशत था. वस्तुओं के निर्यात में कई कारणों- भू-राजनीतिक तनाव, हिंसक संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला में अवरोध, मुद्रास्फीति में वृद्धि, मांग में कमी आदि से बीते वर्षों में उतार-चढ़ाव होता रहा है. हालांकि इस वर्ष बेहतरीन की उम्मीद जतायी जा रही है, लेकिन आशंकाएं भी बनी हुई हैं. इस रुझान के उलट कोरोना महामारी के दौर से पहले के तुलना में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल सेवाओं का निर्यात अभी 50 प्रतिशत से अधिक के स्तर पर है. इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा भी बहुत है क्योंकि कई देश सॉफ्टवेयर, प्रोग्रामिंग, कोडिंग आदि डिजिटल क्षमताओं को बढ़ाने में जुटे हैं. अनेक देश ऐसी सेवाओं के आयात करने के बजाय अपने देश में इन्हें विकसित कर रहे हैं, भले ही उनकी गुणवत्ता कमतर हो. फिर इन सेवाओं से डाटा सुरक्षा और संग्रहण के मुद्दे भी जुड़े होते हैं. ऐसी स्थिति में भारत से डिजिटल सेवा निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि से यह इंगित होता है कि इन सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता उत्कृष्ट है तथा सुरक्षा को लेकर भी भारतीय सेवा प्रदाताओं पर भरोसा बढ़ा है. बीते वित्त वर्ष में अप्रैल 2023 से फरवरी 2024 के बीच भारत से वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात 709 अरब डॉलर से अधिक रहा है तथा इस अवधि में हमारा कुल आयात 782 अरब डॉलर से ज्यादा हुआ है. हाल के वर्षों भारत सरकार ने आर्थिक सुधारों, नीतिगत पहलों तथा प्रोत्साहन कार्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उत्पादन तथा निर्यात बढ़ाने को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है. घरेलू बाजार में भी देशी उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है. विदेशी निवेश, तकनीक और साझेदारी बढ़ाने के लिए भी सरल नियमों को लागू किया जा रहा है. इन प्रयासों के उत्साहजनक नतीजे हमारे सामने हैं. डिजिटल सेवा जैसे क्षेत्र में वृद्धि से नया बाजार भी हासिल हो रहा है.

इजरायल पर ईरान के बड़े हमले के बाद औंधे मुंह गिरे तेल के दाम, कम हो गई कीमत

नई दिल्ली। एजेंसी

इजरायल पर ईरान के हमले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आने का अंदेशा जताया जा रहा था। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच तेल की कीमतों पर इसका असर पड़ने की संभावना जताई जा रही थी। एनालिस्टों का अनुमान है कि अगर यह युद्ध बड़ा रूप लेता है तो ब्रेंट क्रूड ऑयल का भाव 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकता है। हालांकि इन सबसे बीच क्रूड ऑयल की कीमतों में एशियाई बाजार में गिरावट आई है। ईरान की कार्रवाई की उम्मीद में कीमतें पहले ही बढ़ गई थीं, पिछले हफ्ते ब्रेंट क्रूड छह महीने के उच्च स्तर के करीब पहुंच गया था। जानकारों के मुताबिक, तेल बाजार को इस समय किसी भी अतिरिक्त आपूर्ति खतरे को ध्यान में रखने की आवश्यकता नहीं दिख रही है।' उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर के निशान से नीचे गिर सकता है, लेकिन व्यापारियों के गाजा और यूक्रेन में संघर्षों से जुड़े जोखिमों पर ध्यान केंद्रित रहने के कारण एक बड़ी गिरावट की संभावना नहीं है। विश्लेषकों ने यह भी कहा कि हमले पर इज़राइल की प्रतिक्रिया आने वाले दिनों और हफ्तों में वैश्विक बाजारों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

ब्रेंट क्रूड की कीमत

पिछले हफ्ते के अंत में, ब्रेंट क्रूड की कीमत 92.18 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जो अक्टूबर के बाद सबसे अधिक है, लेकिन फिर गिरकर 90.45 डॉलर पर बंद हो गई। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के मुताबिक, ईरान दुनिया का सातवां सबसे बड़ा तेल उत्पादक है और ओपेक तेल उत्पादकों के कार्टेल का तीसरा सबसे बड़ा सदस्य है। विश्लेषकों का कहना है कि तेल की कीमत के लिए आगे बढ़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि क्या होर्मुज जलडमरूमध्य से शिपिंग प्रभावित होगी। ओमान और ईरान के बीच स्थित जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग है, क्योंकि दुनिया की कुल तेल आपूर्ति का लगभग 20% हिस्सा इससे होकर गुजरता है। ओपेक के सदस्य सऊदी अरब, ईरान, यूएई, कुवैत और इराक अपने द्वारा निर्यात किए जाने वाले अधिकांश तेल को जलडमरूमध्य से भेजते हैं। शनिवार को, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते समय इज़राइल से जुड़े एक वाणिज्यिक जहाज को जब्त कर लिया।

भारत के कच्चे तेल के आयात बिल में 16 प्रतिशत की गिरावट

घरेलू उत्पादन में कमी से आयात पर बढ़ी निर्भरता

नई दिल्ली। एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय दरों में नरमी के चलते पिछले वित्त वर्ष के दौरान भारत के कच्चे तेल के आयात बिल में 16 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता नई ऊंचाई पर पहुंच गई है। भारत ने पिछले वित्त वर्ष (अप्रैल 2023 से मार्च 2024) के दौरान 23.25 करोड़ टन कच्चे तेल का आयात किया। यह मात्रा वित्त वर्ष 2022-23 के लगभग बराबर है। हालांकि तेल मंत्रालय के पेट्रोलियम प्लानिंग और एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के मुताबिक उसने इस मात्रा के लिए 132.4 अरब डालर का भुगतान किया जबकि 2022-23 में 157.5 अरब डालर का भुगतान किया था। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश है। घरेलू उत्पादन में गिरावट के चलते उसकी आयात पर निर्भरता बढ़ गई है। पीपीएसी के मुताबिक कच्चे तेल की आयात निर्भरता 87.7 प्रतिशत हो गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 87.4 प्रतिशत थी। 2023-24 में घरेलू कच्चे तेल का उत्पादन 2.94 करोड़ टन पर रहा। यह 2022-23 के आंकड़े के बराबर है।

कच्चे तेल के अलावा भारत ने एलपीजी जैसे 4.81 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर 23.4 अरब डालर खर्च किए। भारत ने 47.4 अरब डालर कीमत के 6.22 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात भी किया। भारत तरल रूप में गैस का भी आयात करता है, जिसे एलएनजी कहा जाता है। पिछले वित्त वर्ष में भारत ने 30.91 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस के आयात के लिए 13.3 अरब डालर खर्च किए। 2022-23 में 26.3 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस के आयात के लिए भारत ने 17.1 अरब डालर खर्च किए थे।

फाइनेंशियल सेक्टर में बड़ा धमाका करने की तैयारी में अंबानी

दुनिया के सबसे ताकतवर आदमी का मिला साथ

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी टेलिकॉम और रिटेल के बाद अब वेल्थ मैनेजमेंट और ब्रोकिंग बिजनस में भी तहलका मचाने की तैयारी में हैं। अंबानी की कंपनी जियो फाइनेंशियल ने दुनिया के सबसे बड़े एसेट मैनेजर ब्लैकरॉक के साथ एक जॉइंट वेंचर बनाया है। दोनों कंपनियां भारत में एसेट मैनेजमेंट बिजनस के लिए पहले ही हाथ मिला चुकी हैं। जियो फाइनेंशियल ने सोमवार को स्टॉक एक्सचेंजेज को दी जानकारी में बताया कि उसने भारत में वेल्थ मैनेजमेंट और ब्रोकरेज कंपनियां शुरू करने के लिए ब्लैकरॉक के साथ एक जॉइंट वेंचर बनाया है। इसमें दोनों कंपनियों की 50-50 फीसदी हिस्सेदारी होगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले साल अपने फाइनेंशियल बिजनस कारोबार को अलग करके जियो फाइनेंशियल सर्विसेज नाम से एक कंपनी बनाई थी। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज को पिछले साल जुलाई में शेयर मार्केट में लिस्ट किया गया था। उसके बाद कंपनी ने ब्लैकरॉक के साथ मिलकर भारत में एसेट मैनेजमेंट बिजनस शुरू करने की घोषणा की थी। इस बिजनस में दोनों कंपनियों ने 15-15 करोड़ डॉलर निवेश करने की घोषणा की थी। जियो ने सोमवार को कहा कि नए वेंचर से ब्लैकरॉक के साथ उसके संबंध और मजबूत होंगे। इससे भारत में एसेट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में क्रांतिकारी बदलाव आने की संभावना है। ब्लैकरॉक दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजर कंपनी है। इसका एसेट अंडर मैनेजमेंट करीब 10 ट्रिलियन डॉलर था। यह भारत की जीडीपी का करीब ढाई गुना है। ब्लैकरॉक की हैसियत का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि दुनिया के कुल शेयरों और बॉन्ड्स का 10 फीसदी यही कंपनी संभालती है।

इस्लाम के नाम पर ईरान के साथ पाकिस्तान, अमेरिका को हड़काया

बोला- गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट को पूरा करेंगे

इस्लामाबाद। एजेंसी

पाकिस्तान ने खुलकर ईरान का पक्ष लेते हुए अमेरिका को आंख दिखाई है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि पाकिस्तान ईरान के साथ गैस पाइपलाइन परियोजना को पूरा करने की स्थिति में है। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में सभी जरूरी निर्णय लिए जा रहे हैं। पाकिस्तान का यह बयान तब आया है, जब इजरायल पर हमले को लेकर अमेरिका, ईरान पर भड़का हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने ईरान के खिलाफ और अधिक कड़े प्रतिबंध लगाने को लेकर जी7 की बैठक भी बुलाई है। इसके बावजूद पाकिस्तान अगले हफ्ते ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी की अगवानी करने को तैयार है। रायसी 22 अप्रैल को पाकिस्तान का दौरा करने वाले हैं।

22 अप्रैल को पाकिस्तान आ रहे ईरानी राष्ट्रपति रायसी

ईरान के इजरायल पर अभूतपूर्व ड्रोन और मिसाइल हमले को लेकर मध्य पूर्व में व्याप्त तनाव के बीच ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी 22 अप्रैल को पाकिस्तान का दौरा करने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान और ईरान राष्ट्रपति रायसी की यात्रा से संबंधित मामलों पर सहमत हुए हैं, जो एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ इस्लामाबाद आएंगे और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और रावलपिंडी के सैन्य नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे। यह यात्रा दोनों देशों द्वारा अपने सहयोग को गहरा करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है, जिसे इस साल की शुरुआत में एक अस्थायी झटका लगा था।

पाकिस्तान-ईरान के संबंध भी सामान्य नहीं

जनवरी में पड़ोसी देशों के बीच सीमा तनाव की ओर इशारा करते हुए, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कैपिटल टॉक के मेजबान हामिद मीर से कहा कि पहले की घटना के बावजूद पाकिस्तान और ईरान के बीच संबंध स्थिर हैं। 'गैस पाइपलाइन परियोजना पर प्रगति हुई जिससे द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए।' दरअसल, फरवरी में ईरान ने पाकिस्तानी जमीन पर मौजूद आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाते हुए हवाई हमला किया था। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी ईरानी जमीन पर हवाई हमला कर कई आम नागरिकों को आतंकवादी बताकर उन्हें मार डाला था। इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए थे।

80 किमी लंबा पाइपलाइन बना रहा पाकिस्तान

सोमवार को जियो न्यूज के कैपिटल टॉक कार्यक्रम में बोलते हुए आसिफ ने कहा, 'हम ग्वादर से ईरानी सीमा तक अपनी तरफ गैस पाइपलाइन का निर्माण कर रहे हैं।' इस महीने की शुरुआत में, द न्यूज ने बताया कि पाकिस्तान ने ग्वादर से पाकिस्तान-ईरान गैस पाइपलाइन के 80 किमी लंबे खंड का निर्माण शुरू करने के लिए काम शुरू कर दिया है। यह घटनाक्रम अमेरिका के स्पष्ट विरोध के साथ-साथ संभावित प्रतिबंधों की चेतावनियों के बीच हुआ है। पाकिस्तान-ईरान गैस पाइपलाइन परियोजना पहले से ही लगभग एक दशक की देरी से चल रही है। इसे दिसंबर 2014 में पूरा किया जाना था और जनवरी 2015 में इसका संचालन शुरू करने की योजना थी।

गठबंधन सरकार पर ख्वाजा आसिफ ने क्या कहा

अन्य मामलों के बारे में बोलते हुए, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने देश की आर्थिक स्थिरता को गठबंधन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में बताया। राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए उनका विचार था कि यदि उनकी पार्टी कुछ महीनों में अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में सफल रही तो सरकार को किसी राजनीतिक खतरे का सामना नहीं करना पड़ेगा। एक सवाल के जवाब में आसिफ ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ अच्छे संबंध हैं।

पाकिस्तान बोला- ईरान को जवाबी कार्रवाई का अधिकार

उसी टॉक शो में, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इजरायली हमले की निंदा की। इस हमले में ईकान के कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मारे गए थे। आसिफ ने स्पष्ट रूप से कहा कि ईरान को जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार है क्योंकि इजरायल ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन करते हुए ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि इजरायली हमले के बाद पाकिस्तान को भी ईरान से जवाबी कार्रवाई की उम्मीद थी। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमला फिलिस्तीनियों के समर्थन का परिणाम था। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान फिलिस्तीनियों के साथ मजबूती से खड़ा है।

इजरायल को मान्यता देने पर क्या बोले ख्वाजा आसिफ

उन्होंने आशंका जताई कि मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव का असर पाकिस्तान समेत अन्य देशों पर पड़ सकता है। आसिफ ने कहा कि युद्ध की लपटें उन देशों को भी अपनी चपेट में ले लेंगी जो इजरायल का समर्थन कर रहे हैं। आसिफ ने आग्रह किया, 'हम नहीं चाहते कि तनाव बढ़े, हालांकि, फिलिस्तीनियों का नरसंहार रोका जाना चाहिए।' आसिफ ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान को इजरायल को मान्यता देने के लिए किसी भी तरह के दबाव का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

सिंगापुर का चांगी एयरपोर्ट अब नहीं रहा नंबर वन

टॉप 100 में दिल्ली-मुंबई के एयरपोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी

स्काईट्रैक्स वर्ल्ड एयरपोर्ट अवॉर्ड्स (Skytrax Word Airport Awards) को एयरपोर्ट इंडस्ट्री का ऑस्कर कहा जाता है। इस बार इसमें एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। सिंगापुर के चांगी एयरपोर्ट को पछाड़कर दोहा के हमद इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने पहला स्थान हासिल किया है। मजेदार बात है कि इस लिस्ट में टॉप पांच एयरपोर्ट्स में एशिया का दबदबा है। तीसरे नंबर पर दक्षिण कोरिया का सोल इंचिओन एयरपोर्ट है। इसे मोस्ट फैमिली-फ्रेंडली एयरपोर्ट का भी खिताब मिला है। टोक्यो का हनेदा चौथे और नरीता पांचवें नंबर पर है। भारत के चार एयरपोर्ट्स दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद को टॉप 100 में जगह मिली है। हॉन्ग कॉन्ग एयरपोर्ट 22 स्थान की छलांग मारकर 11वें स्थान पर पहुंच गया है। दिलचस्प बात है कि टॉप 20 में अमेरिका का एक भी एयरपोर्ट शामिल नहीं है। हमद इंटरनेशनल

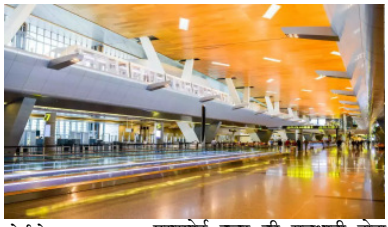

एयरपोर्ट कतर की राजधानी दोहा का मुख्य एयरपोर्ट है। 600,000 वर्ग मीटर से ज्यादा एरिया में फैला यह एयरपोर्ट 75 फुटबॉल फील्ड के बराबर है। पिछले साल यह एयरपोर्ट दूसरे नंबर पर रहा था। इसे आर्किटेक्स के लिहाज से दुनिया का सबसे अहम एयरपोर्ट माना गया है। साथ ही सबसे ज्यादा लग्जूरियस एयरपोर्ट का खिताब भी इसी के खाते में आया। फ्रांस की राजधानी पेरिस का चार्ल्स द गॉल एयरपोर्ट इस लिस्ट में छठे, दुबई सातवें, जर्मनी का म्यूनिख आठवें, स्विट्जरलैंड का ज्यूरिख नौवें और तुर्की का इस्तांबुल एयरपोर्ट दसवें नंबर पर है। अमेरिका में सिएटल-टैकोमा एयरपोर्ट को इस लिस्ट में 24वां स्थान मिला है।

दिल्ली-मुंबई का हाल

जहां तक भारतीय एयरपोर्ट्स का सवाल है तो टॉप 50 में एक और टॉप 100 में चार एयरपोर्ट्स शामिल हैं। दिल्ली एयरपोर्ट 36वें नंबर पर है। मुंबई एयरपोर्ट 84वें स्थान से गिरकर इस बार 95वें स्थान पर पहुंच गया है। बेंगलुरु एयरपोर्ट 10 स्थान चढ़कर 69वें से 59वें स्थान पर पहुंच गया है। हैदराबाद एयरपोर्ट भी 61वें से 65वें स्थान पर आ गया है। यह लिस्ट दुनियाभर में एयर ट्रेवलर्स के वोट के आधार पर तैयार की गई है। हॉन्ग कॉन्ग, रोम, वियना, हेलसिंकी, मेड्रिड, नागोया, वेंकूवर, कंसाई, मेलबर्न और कोपेनहेगन एयरपोर्ट को टॉप 20 में जगह मिली है।

पीएफ नियमों में बड़ा बदलाव

बीमारी के इलाज के लिए अब 1 लाख रुपये तक निकाल सकेंगे

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत देते हुए फॉर्म 31 के पैरा 68J के तहत बीमारी के इलाज के लिए आंशिक निकासी की सीमा को दोगुना कर दिया है। अब कर्मचारी अपने या अपने परिवार के

किसी सदस्य के इलाज के लिए 1 लाख रुपये तक की राशि पीएफ खाते से निकाल सकेंगे। पहले यह सीमा 50,000 रुपये थी।

यह बदलाव 16 अप्रैल, 2024 को जारी एक सर्कुलर के माध्यम से किया गया था। इसका लाभ उठाने के लिए, कर्मचारियों को फॉर्म 31 भरकर जमा करना होगा, साथ ही सर्टिफिकेट C भी जमा करना होगा जिसमें कर्मचारी और डॉक्टर दोनों के हस्ताक्षर हों।

फॉर्म 31 क्या है?

फॉर्म 31 ईपीएफ से आंशिक निकासी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला फॉर्म है। इसका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों जैसे कि शादी, घर का निर्माण, शिक्षा, या चिकित्सा उपचार के लिए धन निकालने के लिए किया जा सकता है। फॉर्म 31 के विभिन्न पैरा अलग-अलग निकासी उद्देश्यों के अनुरूप हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बातें:

कर्मचारी 6 महीने का बेसिक और डीए या कर्मचारी का ब्याज समेत हिस्सा (जो भी कम हो) से अधिक राशि नहीं निकाल सकता है।

68B पैरा के तहत विशेष मामलों में ऋण चुकाने के लिए धन निकाला जा सकता है।

68H पैरा के तहत विशेष मामलों में अग्रिम के लिए धन निकाला जा सकता है।

68BB, 68K, 68N और 68NN का उपयोग बच्चों की शिक्षा, शादी और सेवानिवृत्ति से पहले फंड निकालने के लिए किया जा सकता है।

यह बदलाव उन कर्मचारियों के लिए फायदेमंद होगा जिन्हें अपने या अपने परिवार के सदस्यों के इलाज के लिए धन की आवश्यकता होती है।

औंधे मुंह गिर रहा रुपया, रिकॉर्ड निचले स्तर 83.53 पर आया, जानिए क्यों बढ़ रही डॉलर की रफ्तार

नई दिल्ली। एजेंसी

रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है. आज यानी 16 अप्रैल को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इसमें 9 पैसे की गिरावट देखी गई और यह अब तक के सबसे निचले स्तर 83.53 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, कारोबार के अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 5 पैसे गिरकर 83.49 रुपये पर आ गया. इससे पहले 22 मार्च 2024 को डॉलर के मुकाबले रुपया अपने सबसे निचले स्तर 83.45 पर पहुंच गया था। विशेषज्ञों के मुताबिक, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण अमेरिकी डॉलर को सपोर्ट मिल रहा है. इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी डॉलर मजबूत हो रहा है।

आयात करना महंगा होगा

रुपये में गिरावट का मतलब है कि भारत के लिए सामान का आयात महंगा होने वाला है. इसके अलावा विदेश घूमना और पढ़ाई करना भी महंगा हो गया है. मान लीजिए जब रुपए की कीमत डॉलर के मुकाबले 50 थी। अमेरिका में भारतीय छात्रों को 50 रुपये में 1 डॉलर मिलता था। अब 1 डॉलर के लिए छात्रों को 83.49 रुपये खर्च करने होंगे. इससे फीस से लेकर आवास, भोजन और अन्य चीजें महंगी हो जाएंगी।

मुद्रा का मूल्य कैसे निर्धारित किया जाता है?

यदि किसी अन्य मुद्रा का मूल्य डॉलर की तुलना में घट जाए तो इसे मुद्रा का गिरना, टूटना, कमजोर होना कहा जाता है. अंग्रेजी में इसे करेंसी डेप्रिसिएशन कहते हैं। प्रत्येक देश के पास विदेशी मुद्रा भंडार होता है जिससे वह अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन करता है। विदेशी भंडार बढ़ने और घटने का असर मुद्रा की कीमत पर दिखता है। यदि भारत के विदेशी भंडार में डॉलर भंडार और अमेरिका के विदेशी भंडार में रुपया भंडार का मूल्य बराबर है, तो रुपये का मूल्य स्थिर रहेगा. यदि हमारा डॉलर कमजोर होगा, तो रुपया कमजोर होगा; अगर यह बढ़ता है तो रुपया मजबूत होगा. इसे फ्लोटिंग रेट सिस्टम कहा जाता है।

विदेशी मुद्रा भंडार हर हफ्ते तोड़ रहा रिकॉर्ड

$2.98 अरब बढ़ $648.56 अरब की नई ऊंचाई पर पहुंचा

मुंबई। एजेंसी

देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.98 अरब डॉलर से अधिक बढ़ा है। यह बढ़कर 648.56 अरब डॉलर के नए सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर जा पहुंचा है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.95 अरब डॉलर बढ़कर 645.58 अरब डॉलर हो गया था जो उस समय तक का सर्वकालिक ऊंचा स्तर था। इससे पहले, सितंबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 642.45 अरब डॉलर के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले फॉरेन करेंसी एसेट्स (FCA) 54.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 571.17 अरब डॉलर हो गए। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों (FCA) में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 2.39 अरब डॉलर बढ़कर 54.56 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.17 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा भी 90 लाख डॉलर बढ़कर 4.669 अरब डॉलर हो गईं।

1 अक्टूबर से बदल जाएगा लोन लेने का तरीका, RBI ने बनाया नया नियम

लोन शर्तों के लिए नए नियम बनाए, ग्राहकों को होगा फायदा!

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने लोन लेने वालों के लिए बड़ा ऐलान किया है। अब बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां लोन की शर्तों को लेकर अधिक पारदर्शी होंगी। RBI ने कहा है कि 1 अक्टूबर 2024 से, सभी लोन लेने वालों को 'की फैक्ट स्टेटमेंट' (KFS) दिया जाएगा। इसमें लोन से जुड़ी सभी जानकारी, जैसे ब्याज दर, शुल्क, और अन्य लागतें शामिल होंगी। यह कदम ग्राहकों को लोन लेने से पहले बेहतर जानकारी देगा और उन्हें अपनी वित्तीय स्थिति के लिए सही फैसले लेने में मदद करेगा।

KFS में क्या होगा शामिल?

लोन की कुल लागत: इसमें ब्याज, शुल्क, और अन्य सभी लागतें शामिल होंगी।

वार्षिक प्रतिशत दर (APR): यह एक साल में लोन पर लगने वाली कुल ब्याज दर है।

ऋण भुगतान अनुसूची: इसमें बताया जाएगा कि हर महीने कितनी राशि चुकानी होगी।

शुल्क: इसमें प्रसंस्करण शुल्क, पूर्व भुगतान शुल्क, और देर से भुगतान शुल्क शामिल होंगे।

अतिरिक्त शुल्क: इसमें बीमा शुल्क और कानूनी शुल्क शामिल हो सकते हैं।

ग्राहकों को क्या फायदा?

पारदर्शिता में वृद्धि: KFS लोन लेने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाएगा। ग्राहकों को लोन लेने से पहले सभी जानकारी मिल जाएगी, जिससे वे विभिन्न बैंकों और NBFCs की तुलना कर सकेंगे।

बेहतर निर्णय लेना: ख्इए ग्राहकों को अपनी वित्तीय स्थिति के लिए सही फैसले लेने में मदद करेगा। वे अपनी आवश्यकताओं और बजट के अनुसार लोन चुन सकेंगे।

अतिरिक्त शुल्क पर रोक: RBI ने कहा है कि बैंक और NBFCs KFS में उल्लिखित शुल्क से अधिक शुल्क नहीं लगा सकेंगे।

यह बदलाव 1 अक्टूबर 2024 से लागू होगा। RBI का मानना है कि इससे लोन लेने वालों के हितों की रक्षा होगी और उन्हें बेहतर सेवा मिलेगी।

जीई एयरोस्पेस स्वतंत्र और निवेश-श्रेणी की सार्वजनिक कंपनी के तौर पर लॉन्च हुई

न्यूयॉर्क। एजेंसी

जीई एयरोस्पेस ने जीई वर्नोवा स्पिन-ऑफ के पूरा होने के बाद एक स्वतंत्र सार्वजनिक कंपनी के तौर पर अपने आधिकारिक लॉन्च की घोषणा कर दी है। यह फ्लाइट के भविष्य को परिभाषित करेगी। जीई एयरोस्पेस 'GE' टिकर के तहत न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (NYSE) पर ट्रेड करेगी।

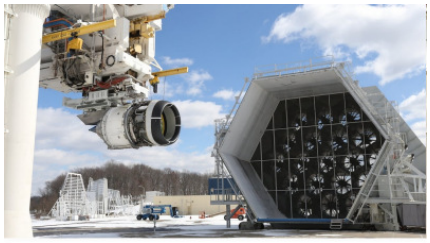

जीई एयरोस्पेस के चेयरमैन एवं सीईओ एच. लॉरेन्स कल्प जूनियर ने कहा, "तीन स्वतंत्र सार्वजनिक कंपनियों का सफल लॉन्च पूरा होने पर,आज जीई के कई वर्षों से चल रहे कायाकल्प के ऐतिहासिक अंतिम चरण का समापन हुआ है। मुझे हमारी टीम, उनकी दृढ़ता और समर्पण पर बड़ा गर्व है, जिनके कारण यह निर्णायक पल आया है।"

कल्प ने आगे कहा, "नवाचार के लिये जीई की विरासत से एक शताब्दी तक सीखते और उसे आगे बढ़ाते हुए, जीई एयरोस्पेस एक मजबूत बैलेंस शीट के साथ आगे बढ़ी है। हम फ्लाइट के भविष्य को जन्म देने, लोगों का उत्थान करने और उन्हें सुरक्षित तरीके से घर पहुँचाने पर ज्यादा केन्द्रित हैं। अपने प्रोप्राइटरी लीन ऑपरेटिंग मॉडल 'फ्लाइट डेक' को आधार बनाकर मुझे विश्?वास है कि हम ग्राहकों, कर्मचारियों तथा शेयरधारकों की सेवा अपनी पूर्ण क्षमता से करेंगे।"

जीई एयरोस्पेस के पास दुनियाभर में लगभग 44,000 कमर्शियल इंजन और करीब 26000 मिलिटरी तथा डिफेंस इंजन का इंस्टाल्ड बेस है। इसके साथ जीई एयरोस्पेस को प्रपल्शन, सर्विसेस और सिस्टम्स के एक स्थापित वैश्विक अग्रणी के तौर पर लॉन्च किया गया है। कंपनी ने 2023 में एडजस्टेड रेवेन्यूज में लगभग 32 बिलियन डॉलर बनाये थे। इसका 70% धन इंजन आफ्टरमार्केट में सेवाओं तथा मजबूत अर्थव्यवस्था के कारण संभव हुआ था।

दुनिया के टॉप 10 सबसे बिजी एयरपोर्ट में दिल्ली का IGI शामिल

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनिया के टॉप 10 सबसे व्यस्त एयरपोर्टों में राजधानी का आईजीआई एयरपोर्ट भी शामिल है। पिछले साल यह दुनिया का 10वां सबसे बिजी हवाईअड्डा था। एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) ने यह जानकारी दी। हालांकि, साल 2023 के मुकाबले यह एक पायदान नीचे गया है। तब यह 9वें स्थान पर था। इस लिस्ट में नंबर 1 पोजिशन पर अटलांटा हर्ट्सफील्ड-जैक्सन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। उसके बाद दुबई इंटरनेशनल और डलास फोर्ट वर्थ हैं। सभी टॉप 10 हवाई अड्डों में 2022 की तुलना में 2023 में यात्रियों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। इस दौरान दिल्ली में यात्रियों की संख्या 21.4% बढ़कर 7.2 करोड़ हो गई।

रैंक 4 से 10 तक के हवाईअड्डों पर 7 करोड़ से ज्यादा यात्रियों ने उड़ान भरी। आईजीआई का अब भी विस्तार होना बाकी है। फिर भी यह अपने से ठीक ऊपर वाले हवाईअड्डों से बहुत पीछे नहीं है। इसका मतलब है कि जैसे-जैसे आने वाले वर्षों में राजधानी के हवाई अड्डे का विस्तार होगा, यह आसानी से टॉप 3-5 रैंकिंग में शामिल हो सकता है। अटलांटा 10.5 करोड़ यात्रियों के साथ टॉप पर रहा। उसके बाद दुबई (DXB) 8.7 करोड़ और डलास फोर्ट वर्थ ने 8.2 करोड़ के साथ तीसरे स्थान पर जगह बनाई।

कुछ साल में सबसे बड़े हवाईअड्डों में से एक होगा

आईजीआई एयरपोर्ट के तीन टर्मिनलों की वर्तमान में सालाना लगभग 11 करोड़ यात्रियों (सीपीए) को संभालने की संयुक्त क्षमता है। अगले आठ साल में विकास का अंतिम चरण पूरा होने पर आईजीआई की क्षमता लगभग 14 सीपीए तक बढ़ जाएगी। इससे यह विश्वस्तर पर सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक बन जाएगा। भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाला एविएशन मार्केट है।

मुंबई के सीएसएमआई एयरपोर्ट ने2023 में 5.1 करोड़ से ज्यादा यात्रियों को हैंडल किया। साल 2022 में यह संख्या 3.8 करोड़ और 2019 में 4.7 करोड़ थी। यह अपनी पीक कैपेसिटी पर काम कर रहा है। इसमें ग्रोथ की ज्यादा गुंजाइश नहीं है।

रुपये पर गिरा ईरान-इजरायल टेंशन का नजला! डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। एजेंसी

मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती में देरी से चिंता है। जोखिम भरी संपत्तियों में बिकवाली तेज हो गई है। इन सभी फैक्टरों से रुपये पर एकदम से दबाव बढ़ गया है। भारतीय मुद्रा मंगलवार को रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.53 पर पहुंच गया। यह पिछले सत्र के 83.45 की तुलना में अब तक का सबसे कमजोर स्तर है।

ट्रेडर्स ने कहा कि भारतीय मुद्रा मंगलवार को कारोबार के दौरान एक समय 83.5475 के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई थी। लेकिन, केंद्रीय बैंक के बैंकों के जरिये संभावित हस्तक्षेप से और बड़े नुकसान को टाला जा सका। बुधवार को भारतीय वित्तीय बाजार बंद रहेंगे।

क्या है एक्सपर्ट्स का कहना?

रिलायंस सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट (करेंसी एंड कमोडिटी) जिगर त्रिवेदी ने कहा, 'मध्य पूर्व क्षेत्र में इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक संघर्ष को देखते हुए निवेशक डॉलर पर लंबे समय तक दांव लगाना पसंद करेंगे। इस कारण रुपये पर दबाव बना रह सकता है।' त्रिवेदी के मुताबिक, चूंकि पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार उपलब्ध है। ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) से अस्थिरता को रोकने के लिए हस्तक्षेप करने की उम्मीद है।

अभी रुपये पर रहने वाला है दबाव

इस बात की आशंका है कि इजरायल सप्ताहांत में ईरान के हमले का जवाब दे सकता है। इसने रुपये और अन्य एशियाई मुद्राओं की डिमांड पर असर डाला है। सूत्रों के मुताबिक, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के हमले की प्रतिक्रिया पर विचार करने के लिए सोमवार को 24 घंटे से भी कम समय में दूसरी बार अपनी वॉर कैबिनेट को बुलाया। एक ईरानी उप मंत्री ने कहा कि किसी भी इजरायली जवाबी कार्रवाई पर ईरान की प्रतिक्रिया '12 दिनों में नहीं, बल्कि कुछ सेकेंड' में आएगी।

इस तनाव के चलते ज्यादातर एशियाई मुद्राओं में गिरावट आई। डॉलर सूचकांक लगभग छह महीने में अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। जबकि एशियाई शेयरों में गिरावट है। अमेरिका में मजबूत खुदरा बिक्री के आंकड़ों के बाद भी फेड की ओर से नीतिगत दरों को घटाने में देरी से भी डॉलर को बल मिला है। इस तिमाही में अमेरिकी पॉलिसी रेट में कटौती की उम्मीद है।

IMF के बाद भारत की ग्रोथ पर एक और भविष्यवाणी, मौजूदा वित्त वर्ष में 8-8.3%

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने देश की इकनॉमिक ग्रोथ चालू वित्त वर्ष में 8.0 से 8.3 फीसदी रहने का अनुमान जाहिर किया है। उद्योग मंडल ने कहा कि देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर अगले 23 साल तक औसतन 6.7 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी। 2047 तक इसके 34,700 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। उस समय तक प्रति व्यक्ति आय 21,000 डॉलर होगी। पीएचडीसीसीआई का भारतीय अर्थव्यवस्था पर यह अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की भविष्यवाणी के एक दिन बाद आया है। आईएमएफ ने भारत की ग्रोथ 2024 में 6.8 फीसदी और 2025 में 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के मुख्य अर्थशास्त्री एस पी शर्मा ने कहा, 'देश में ग्रोथ के लिहाज से बुनियाद मजबूत है। इसके साथ हमारा चालू वित्त वर्ष में जीडीपी ग्रोथ रेट 8.0 से 8.3 फीसदी रहने का अनुमान है।' उन्होंने कहा, '2035 के बाद वृद्धि दर ऊंचे स्तर से धीरे-धीरे नीचे आएगी। औसतन यह अगले 23 साल 6.7 फीसदी रहेगी।'

उद्योग मंडल ने दिए सुझाव

उद्योग मंडल ने एक रिपोर्ट में देश को 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सुझाव दिए। पीएचडी चैंबर ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए व्यापार करने की लागत को कम करने और फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों), सूचना प्रौद्योगिकी, वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बड़े स्तर पर क्षमता बढ़ाने की सिफारिश की है। साथ ही सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया है।

स्टार्टअप इकोसिस्टम को समर्थन की अपील

इसके अलावा स्टार्टअप परिवेश को निरंतर सहयोग देने का आह्वान किया है। निर्यात के लिए क्षमता बढ़ाने का सुझाव दिया गया है। इसके तहत वैश्विक व्यापार में निर्यात मात्रा बढ़ाने के लिए संभावित 75 उत्पादों पर ध्यान देने की बात कही गई है। उद्योग मंडल ने कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए सुधार उपायों का भी सुझाव दिया है।

2024-25 के लिए आईएमएफ ने बढ़ाया भारत का सकल घरेलू उत्पाद पूर्वानुमान और वैश्विक विकास अनुमान

आईएमएफ ने मजबूत घरेलू मांग का हवाला देते हुए 2024-25 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान संशोधित कर 6.8% कर दिया है, जबकि वैश्विक विकास अनुमान को भी बढ़ाकर 3.2% कर दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मजबूत घरेलू मांग का हवाला देते हुए 2024-25 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि के पूर्वानुमान को 30 आधार अंक बढ़ाकर 6.8₹ कर दिया है। यह अनुमान, मजबूत होते हुए भी, भारत सरकार के 7₹ के पूर्वानुमान से थोड़ा नीचे है। इसके अतिरिक्त, चुनौतियों के बीच विश्व अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को उजागर करते हुए, आईएमएफ ने 2024 के लिए अपने वैश्विक विकास अनुमान को 10 आधार अंक बढ़ाकर 3.2% कर दिया।

भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान

आईएमएफ का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025 में भारत की जीडीपी 6.8% की दर से बढ़ेगी, जो कि वित्त वर्ष 26 में मामूली गिरावट के साथ 6.5% हो जाएगी, जिसका श्रेय मजबूत घरेलू मांग और बढ़ती कामकाजी उम्र की आबादी को दिया जाता है। वित्त वर्ष 2024 के लिए, आईएमएफ ने निरंतर आर्थिक गति को दर्शाते हुए, अपने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.8% कर दिया।

रेटिंग एजेंसियों का आकलन

फिच और बार्कलेज जैसी रेटिंग एजेंसियों ने भी मजबूत घरेलू मांग और सकारात्मक व्यापार और उपभोक्ता विश्वास का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2024 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर 7.8% कर दिया है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी चुनौतियों के बावजूद, वित्त मंत्रालय स्थिर मुद्रास्फीति और सकारात्मक रोजगार दृष्टिकोण की आशा करते हुए इस आशावाद को दोहराता है।

वैश्विक विकास प्रक्षेपण

उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में थोड़ी तेज वृद्धि और उभरते बाजारों में स्थिर वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, आईएमएफ ने 2024 के लिए अपने वैश्विक विकास अनुमान को बढ़ाकर 3.2% कर दिया। चिंताओं के बावजूद, लचीली बैंकिंग प्रणालियों और प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं में स्थिर विकास के साथ, विश्व अर्थव्यवस्था मंदी से बच गई।

चीन का आर्थिक आउटलुक

संपत्ति क्षेत्र में एकमुश्त कारकों और कमजोरियों को कम करने के कारण चीन की जीडीपी वृद्धि धीमी होने की उम्मीद है, अनुमानों को 2024 में 4.6% और 2025 में 4.1% तक संशोधित किया गया है।

आईएमएफ का दृष्टिकोण और चेतावनियाँ

आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरींचस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के लचीलेपन पर जोर दिया, न्यूनतम आर्थिक संकट के साथ नरम स्थिति की आशंका जताई। हालाँकि, उन्होंने हरित और जलवायु-अनुकूल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण वैश्विक निवेश की आवश्यकता पर बल देते हुए आगे की चुनौतियों के बारे में आगाह किया।

राजकुमार जैन
स्वतंत्र लेखक
एवं विचारक

एआई को मानव के विकल्प की बजाय सहयोगी की तरह प्रस्तुत किया जाना चाहिए मानव-केंद्रित एआई

एआई न केवल हमारे काम को आसान और तेज़ बनाता है, बल्कि हमें नई संभावनाओं की ओर भी ले जाता है। लेकिन अग्रणी तकनीकी कंपनियां नवीनतम और अत्याधुनिक एआई टूल्स का निर्माण करने और उन्हें बाजार में पहले उतारने की अंधी दौड़ में इनका उपयोग करने वाले और इस प्रक्रिया के सबसे महत्वपूर्ण घटक, मानवों की ही अनदेखी कर बैठी है।

बढ़ते उपयोग के साथ लोगों के मन में एआई के प्रति एक अविश्वास के माहौल का निर्माण हो रहा है। लोग चिंतित है कि एआई उनको प्रतिस्थापित कर किसी दानव की तरह उनके रोजगार और नौकरियों को खा जाएगा। वस्तुतः समय की मांग है कि एआई को मनुष्यों के विकल्प की तरह प्रस्तुत करने की बजाय मानव-केंद्रित बनाकर उनके साथी और सहयोगी की तरह पेश किया जाना चाहिए।

मानव समाज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सफलता पूर्वक स्थापित करने में मानव-केंद्रित एआई की भूमिका को समझने के लिए वर्क इनोवेशन लैब ने संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम में कई संस्थानों में विभिन्न भूमिका निबाह रहे 4,500 से अधिक कर्मचारियों पर एक सर्वेक्षण किया। इस शोध के नतीजे में यह मालूम हुआ कि अधिकारी स्तर के कर्मचारीयों की तुलना में उनके अधीनस्थ कर्मचारी एआई को अपनी नौकरी के लिए खतरा मानकर उसके साथ न्यूनतम या शून्य लगाव और जुड़ाव रखते हैं। इस शोध से यह स्पष्ट परिलक्षित होता है कि कर्मचारियों को एआई के साथ सहभागिता करने और अपने दैनिक कार्य कलाप में उसे अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए मानव-केंद्रित दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है।

मानव-केंद्रित एआई की अवधारणा को प्रवर्तित करने की वजह यह मानना है कि प्रौद्योगिकी को मानव कर्मचारियों की जगह लेने के बजाय उनके साथ काम करके उनकी प्राकृतिक क्षमताओं का संवर्धन करना चाहिए। जब किसी संस्थान में काम कर रहे लोगों की जगह एआई को लगा दिया जाता है तो इंसानी विवेक के बगैर लिए जाने वाले निर्णयों की गुणवत्ता प्रभावित होती है जो संस्थान की साख और प्रतिष्ठा को धूमिल कर सकती है। लेकिन जब लोग एआई के साथ काम करते हैं, तो एआई उनकी निर्णय लेने की क्षमता का विस्तार कर नतीजों की सार्थकता को बढ़ा देती है। जो संस्थान के हित में होकर उनके लाभ में वृद्धि लाते हैं। मानव जीवन में जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दखल बढ़ता जा रहा है, वैसे वैसे उनके मध्य अविश्वास की खाई भी गहराती जा रही है, जिसको पाटे बगैर एआई की व्यापक स्वीकार्यता संदिग्ध है। इन परिस्थितियों में तकनीक पर बहुसंख्य मानव कर्मचारियों का भरोसा जीतने के लिए मानव-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। मानव-केंद्रित कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक संतुलन स्थापित करती है. वास्तविक लोग कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ जितना अधिक काम करते हैं, उतने ही बेहतर परिणाम मिलते है। साझा प्रयासों से मिले बेहतर परिणामों के चलते लोगों का कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर भरोसा बढ़ता है जो उन्हे एआई का और अधिक उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। संस्थान के हित में एआई का अधिकतम लाभ उठाने के लिए किसी भी संस्थान को अपने कर्मचारीयों में इस बात की समझ पैदा करने पर प्राथमिकता से जोर देना होगा कि एआई से कैसे जुड़ा जा।

वर्क इनोवेशन लैब के शोध से पता चलता है कि एआई का समर्थन करने और उसे अपनी कार्य योजना में अपनाने में मध्यम और उच्च स्तर के कर्मचारी अग्रणी हैं. इस वर्ग के 52 प्रतिशत से अधिक लोग हर सप्ताह एआई का उपयोग करते हैं, जबकि निचले स्तर के व्यापक कार्यबल में केवल 36 प्रतिशत लोग इसका उपयोग करते हैं वो भी कभी कभार एक अवांछित मजबूरी के रूप में. इससे पता चलता है कि अधिकारी इस बात से अधिक अवगत हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णय लेने की क्षमता को कैसे बढ़ा सकती है और नवाचार को बढ़ावा दे सकती है। लेकिन अन्य स्तर के कर्मचारी भरोसे और प्रशिक्षण की कमी के चलते एआई को अपनाने में पिछड़ रहे हैं। इस स्थिति से यह सीखा जा सकता है कि मानव रचनात्मकता के विकल्प की तरह प्रस्तुत करने की बजाय

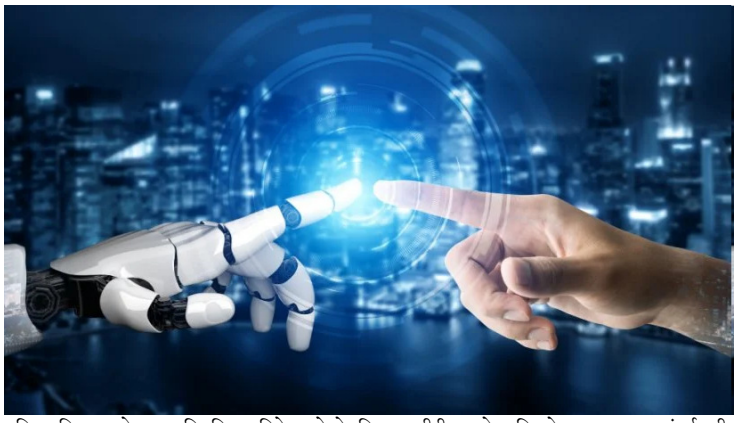

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को पुनः परिभाषित कर एक सहयोगी के रूप में पेश किया जाना चाहिए। इस तरीके से अधिक से अधिक कर्मचारियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपनाने और उसके साथ काम करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

वैश्विक परिदृश्य में बहुसंख्यक कर्मचारी पहले से ही एआई को अपनाने के व्यावहारिक तरीके खोज रहे हैं, और एक मानव-केंद्रित दृष्टिकोण एआई की स्वीकार्यता को विस्तारित करने में मदद कर सकता है, जिससे उत्पादकता में अपेक्षित वृद्धि हो सकती है। शोध के अनुसार 30% कर्मचारी कार्रवाई योग्य जानकारी हासिल करने हेतु किए जाने वाले डेटा विश्लेषण के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं। 25% कर्मचारी प्रशासनिक कार्यों को संभालने के लिए एआई का लाभ उठा रहे हैं, जिसके फलस्वरूप उनको उपयोगी योजनाये और बाजार में दृढ़ता से टिके रहने के लिए रणनीती बनाने के लिए अधिक समय मिल पा रहा है। संगठनात्मक संचालन में एआई को प्रमुखता से स्थापित करने के लिए मानव-केंद्रित दृष्टिकोण आवश्यक है। जो एक ऐसी सहयोगी और साझा कार्य संस्कृति को बढ़ावा देता है जहाँ मानव और एआई एकजुट होकर संगठन के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एक दिशा में काम करते हैं। कर्मचारीयों और एआई के पारस्परिक संबंधों को बढ़ावा देकर, बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। साथ मिलकर काम करने से कार्यबल के बीच एआई पर विश्वास उपजता है जो उन्हें एआई के और अधिक उपयोग के लिए प्रोत्साहित करता है। जब एक संस्थान मानव-केंद्रित एआई को अपने दैनिक परिचालन में शामिल करता है तो वो उसके कर्मचारियों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करता है। जिसके कारण ग्राहक संपर्क की गुणवत्ता में सुधार होकर ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि होती है जो व्यवसाय को विस्तार देकर अर्जित लाभ को बढ़ाने में मददगार होती है।

मानव-केंद्रित एआई की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए सामूहिक और व्यापक प्रयत्न आवश्यक हैं। इस रास्ते पर चलने के लिए प्रौद्योगिकी के प्रति संतुलित दृष्टिकोण के साथ ही मानवीय मूल्यों और आवश्यकताओं की गहरी समझ भी जरूरी है। जैसे-जैसे संगठन इस डिजिटल युग में आगे बढ़ रहे हैं, एआई रणनीतियों को मानव-केंद्रित सिद्धांतों में निहित करने से अर्थपूर्ण संवाद को बढ़ावा मिलेगा और व्यवसायों को एक अभिनव और उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।

लगातार वैश्विक चुनौतियों के बावजूद कुल निर्यात वित्त वर्ष 23 के आंकड़े 776.40 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 776.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया

जो अर्थव्यवस्था के लचीले और जीवंत निर्यात क्षेत्र के संकल्प को दर्शाता है: श्री अश्विनी कुमार, अध्यक्ष, फियो

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए समग्र निर्यात आंकड़ों, जो पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के 776.40 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 776.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया, पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए फियो के अध्यक्ष श्री अश्विनी कुमार ने कहा कि यह न केवल हमारे अर्थव्यवस्था के लचीले, मजबूत और जीवंत निर्यात क्षेत्र बल्कि समग्र निर्यात समुदाय के भी दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। फियो अध्यक्ष ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के किसी भी महीने के दौरान मार्च 2024 में निर्यात सबसे अधिक था, जो 41.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जबकि आयात 57.28 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 15.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापारिक व्यापार अंतर दर्शाता है। श्री कुमार ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव, विशेष रूप से रूस यूक्रेन युद्ध, लाल सागर संकट, विकसित दुनिया के सख्त मौद्रिक रुख और कमोडिटी की गिरती कीमतों के बावजूद समग्र निर्यात वृद्धि में इतनी प्रभावशाली वृद्धि, इस क्षेत्र के पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो कोविड के बाद लगातार ऐसी बाधाओं का सामना कर रहा है। निर्यातक लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे निर्यात में वृद्धि हो रही है और अर्थव्यवस्था की विकास गति भी बढ़ रही है। श्री अश्विनी कुमार ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान व्यापारिक निर्यात के प्रमुख विकास चालक इलेक्ट्रॉनिक सामान, ड्रग्स और फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग सामान, लौह अयस्क, कपास यार्न/फैब्स/मेड-अपस, हथकरघा उत्पाद आदि और सिरेमिक उत्पाद और ग्लासवेयर थे, जो अपने आप में एक अच्छा संकेत है क्योंकि इनमें से अधिकांश क्षेत्र श्रम प्रधान क्षेत्र हैं जो देश में रोजगार सृजन को बढ़ावा दे रहे हैं। श्री कुमार ने दोहराया कि पश्चिम एशिया में हाल के तनाव, विशेष रूप से लाल सागर के माध्यम से जाने वाली खेपों के खतरे ने निर्यातक समुदाय की परेशानियों को और बढ़ा दिया है, क्योंकि बीमा लागत के साथ-साथ माल ढुलाई दरें विभिन्न प्रकार के अधिभार बोझ के साथ मिल कर अकल्पनीय रूप से अधिक हो गई हैं। श्री अश्विनी कुमार ने यह भी चिंता जताई कि नए वित्तीय वर्ष के दौरान खरीदारों के साथ हस्ताक्षर किए जाने वाले नए अनुबंधों पर बहुत कुछ निर्भर करेगा क्योंकि निर्यातक पुराने समझौते के अनुसार बढ़ी हुई माल ढुलाई लागत का बोझ वहन कर रहे हैं।फियो अध्यक्ष ने दोहराया कि समुद्री बीमा की उपलब्धता और माल ढुलाई शुल्क में तर्कसंगत वृद्धि सुनिश्चित करके मध्य पूर्व की भू-राजनीतिक स्थिति, लाल सागर संकट की चुनौतियों का समाधान करना समय की मांग है। इस क्षेत्र को ब्रिटेन, पेरू और ओमान के साथ जल्द ही कुछ प्रमुख एफटीए के संपन्न होने के अतिरिक्त आसान और कम लागत वाले ऋण, विपणन सहायता की भी आवश्यकता है।

शनि के नक्षत्र परिवर्तन से इन राशि वालों को मिलेगा किस्मत का साथ , मेहरबान रहेंगे शनिदेव

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

शनि सभी ग्रहों में ऐसे ग्रह हैं जो सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह हैं। यह एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करने के लिए करीब ढाई साल का समय लेते हैं। वैदिक ज्योतिष में शनि ग्रह को कर्मफलदाता और न्याय का देवता माना गया है। यह व्यक्ति को उनके अच्छे और बुरे कर्मों के आधार पर ही शुभ-अशुभ फल प्रदान करते हैं। शनि अभी अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में विराजमान हैं और साल 2025 में राशि बदलेंगे। शनि जहां ढाई वर्षों बाद राशि बदलते हैं तो वहीं समय-समय पर शनि नक्षत्र परिवर्तन भी करते हैं। शनि के नक्षत्र परिवर्तन का प्रभाव भी जातकों के जीवन पर पड़ता है। आपको बता दें शनि 6 अप्रैल को गुरु के नक्षत्र पूर्वाभाद्रपद में गोचर कर चुके हैं जो 3 अक्तूबर 2024 तक इसी में रहेंगे। शनि के गुरु के नक्षत्र में गोचर करने से शनि का प्रभाव कुछ राशि वालों के लिए बहुत ही शुभ साबित होगा। आइए जानते हैं किन-किन राशियों पर शनि का शुभ प्रभाव पड़ेगा।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों के लिए शनि का नक्षत्र परिवर्तन बहुत शुभ साबित होगा। इस राशि के जातकों को करियर-बिजनेस में अच्छा खासा लाभ मिलेगी। वृषभ राशि के स्वामी ग्रह शुक्रदेव होते हैं और शुक्र का शनि के साथ मित्रता का भाव रहता है। अधूरे पड़े कार्यों में आपको गति मिलेगी। कार्य सफल और पूर्ण होंगे। तरक्की के अच्छे योग बन रहे हैं। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। शनिदेव की विशेष कृपा रहेगी जिससे आपके कार्यों में आने वाली अड़चने दूर होंगी। आपको मुश्किलों से निजात मिलेगी। भौतिक सुख-सुविधा में इजाफा मिलेगा।

कन्या राशि

शनि का नक्षत्र परिवर्तन आपकी राशि से छठे भाव में विराजमान रहेंगे। शनि की चाल में बदलाव लाभकारी साबित होगा। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपको लाभ होगा। कोर्ट-कचहरी के कार्यों में सफलता मिलेगी। जो छात्र प्रतियोगी परीक्षा में शामिल हुए उनका रिजल्ट अच्छा आ सकता है। नौकरीपेशा जातकों तरक्की और वेतन में वृद्धि देखने को मिल सकती है।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों के लिए शनिदेव सातवें भाव में विराजमान हैं। ऐसे में जो जातक व्यापार में किसी के साथ साझेदार हैं उनको अच्छा लाभ मिल सकता है। व्यापार में अच्छा-खासा लाभ मिलने के योग है। आपको अतिरिक्त आय का मौका मिलेगा। दांपत्य जीवन मे चली आ रही समस्याएं दूर होंगी। नौकरीपेशा जातकों को लाभ मिलने के संकेत हैं। आपकी योजनाएं सफल होंगी और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

कामदा एकादशी के दिन करें ये ज्योतिष उपाय, धन धान्य में होगी वृद्धि और मनोकामना होगी पूरी

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को कामदा एकादशी का व्रत किया जाता है और इस बार यह शुभ तिथि 19 अप्रैल दिन शुक्रवार को है। धर्म शास्त्रों में बताया गया है कि कामदा एकादशी का व्रत और भगवान विष्णु की विधिवत रूप से पूजा अर्चना करने पर धन धान्य में वृद्धि होती है और व्यक्ति जन्म मरण के बंधन से मुक्त होकर मोक्ष की प्राप्ति करता है। साथ ही यह व्रत सभी कामनाओं को पूर्ति करने वाला माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में कामदा एकादशी के दिन का महत्व बताते हुए कुछ विशेष ज्योतिष उपाय भी बताए गए हैं। इन उपायों के करने से कभी किस चीज की कमी नहीं होती और मनोकामना की पूर्ति होती है। आइए जानते हैं कामदा एकादशी के दिन किए जाने वाले ज्योतिष उपायों के बारे में...

इस उपाय ग्रहों का रहेगा शुभ प्रभाव

कामदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा अर्चना करने के बाद शमी के पौधे की भी पूजा अवश्य करें। इसके लिए आप आटे का दीपक जलाएं और उसमें कपूर और हल्दी डालें। ऐसा करने से अटके धन की प्राप्ति होगी और ग्रह-नक्षत्रों का शुभ प्रभाव भी पड़ेगा।

श्रीमती नीतू मित्तल
8959760040
ज्योतिषाचार्य, इंदौर (म.प्र.)

इस उपाय से पितृदोष होगा दूर

एकादशी के दिन पानी में गंगाजल डालकर स्नान करें और पितरों को तर्पण करें। साथ ही इस दिन पितरों के नाम का दान भी अवश्य करें। ऐसा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और पितृदोष भी दूर होता है। साथ ही इस उपाय से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और सुख संपन्नता का आशीर्वाद देते हैं।

इस उपाय से मनोकामना होगी पूरी

एकादशी के दिन मन ही मन ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र का जप करते रहें और शाम के समय तुलसी के सामने घी का दीपक जलाएं। साथ ही इस दिन भगवान विष्णु का सात्विक चीजों का भोग लगाएं और प्रसाद में तुलसी दल का प्रयोग अवश्य करें। ऐसा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी और परिवार के सदस्यों की उन्नति होगी।

इस उपाय से आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

कामदा एकादशी के दिन सात हल्दी लेकर पीले रंग के कपड़े में बांधकर पोटली बना लें और उसे भगवान विष्णु को अर्पित कर दें, इसके बाद पोटली को धूप दीप दिखाएं। फिर उस पोटली को धन के स्थान जैसे अलमारी या तिजोरी में रख दें। ऐसा करने से धन धान्य में वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

इस उपाय से धन धान्य की नहीं होगी कमी

कामदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना करें और विष्णु सहस्त्रनाम के साथ कनकधारा स्तोत्र का भी पाठ करें। ऐसा करने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और धन धान्य की कभी कमी नहीं होती है।

इन पौधों को घर में उगाने से नाराज हो सकते हैं पितृ, रहें सतर्क

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

घर की साज सज्जा के लिए कई बार कुछ पौधों का लाना शुभ होता है. लेकिन लगातार घर में कोई अप्रिय घटना घट रही हो तो यह किसी दोष का कारण हो सकती है. दरअसल वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि घर में अपने आप कोई पौधा जन्म जाए तो यह अप्रिय घटना का कारण बन सकती है। कई बार व्यक्ति यह महसूस करता है कि बिना किसी वजह उसके जीवन में कोई ना कोई समस्या आए जा रही है. इसके पीछे और कोई नहीं बल्कि पितृ दोष की वजह हो सकती है. कई बार घटित हुई घटना पितृ दोष की ओर इशारा करती हैं. दरअसल वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में एक ऐसा पौधा का उगना पितृ दोष का कारण बन सकती है. चलिए विस्तार में इस पौधे के बारे में जानें साथ ही इससे बचने के उपाय।

पितृ दोष वाला पौधा

वास्तु शास्त्र की मानें तो यदि घर में बिना लगाएं ही पीपल का पेड़ लग जाए तो यह पितृ दोष का कारण बन सकता है. जिसके निवारण के लिए व्यक्ति को तुरंत ही इस उपाय को अपनाना चाहिए वरना कई प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

जानें पितृ दोष का निवारण

यदि घर में पीपल का पेड़ अपने आप उग जाए तो यह पितृ दोष की वजह तो बन सकता है. जिससे बचने के लिए व्यक्ति को तुरंत ही पितृ का तर्पण करना चाहिए।

क्या करें पीपल के पौधे का

पीपल का पौधा यदि घर में खुद से उग जाए तो उसे तुरंत ही उस जगह से हटा दें. ध्यान रखें कि हटाने के ठीक 45 दिन पहले इसमें प्रतिदिन जल जरूर अर्पित करें साथ ही पूजा भी करें. फिर इस पौधे को 45 दिन बाद उस जगह से निकालकर किसी साफ जगह पर लगा दें. ऐसा करने से पितृ दोष से छुटकारा मिल जाएगा. साथ ही पौधे को भी कोई नुकसान नहीं होगा।

देवताओं के गुरु बृहस्पति करने जा रहे वृषभ राशि में प्रवेश, ये राशियां जमकर कमाएंगी पैसा

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

देवताओं के गुरु बृहस्पति का 1 मई को गोचर होगा। देवगुरु वृषभ राशि में प्रवेश करेंगे। यह गोचर 1 मई की दोपहर 02.29 मिनट पर होगा। गुरु ग्रह को विस्तार, प्रगति और ज्ञान का ग्रह माना जाता है। गुरु ग्रह जातक के जीवन को अधिकांश क्षेत्रों को प्रभावित करता है। बृहस्पति का वृषभ राशि में गोचर कुछ राशियों के जीवन में अपार सफलता लेकर आएगा। आइए ज्योतिषाचार्य कल्पेश तिवारी से जानिए किन राशियों के लिए बृहस्पति का गोचर शुभ रहेगा।

मेष राशि

बृहस्पति मेष राशि के नौवें और बारहवें भाव के स्वामी हैं। यह दूसरे भाव में गोचर करेंगे। गुरु का गोचर मेष राशिवालों के लिए तरक्की लेकर आएगा। नौकरी में तरक्की और सफलता पाने के मौके मिलेंगे। आय और बचत में वृद्धि देखने को मिलेगी। इस अवधि में शादी या संतान होने का शुभ समाचार सुनने को मिल सकते हैं। घर का वातावरण शांतिपूर्ण रहेगा।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के 8वें और 11वें भाव के स्वामी देवगुरु हैं। अब पहले भाव में गोचर करने जा रहे हैं। इस राशिवालों के पेशेवर जीवन में अपार सफलता एवं तरक्की होगी। करियर के मार्ग में आने वाली समस्या दूर होगी। इस अवधि में साहस से भरे रहेंगे। निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी। धन का प्रबंधन करने में भी सक्षम रहेंगे।

मिथुन राशि

देवगुरु को गोचर मिथुन राशि के करियर में सकारात्मक परिवर्तन लेकर आएगा। करियर में आने वाली हर समस्या से आसानी से बाहर निकलेंगे। ऑफिस में सीनियरों की नजरों में आपके प्रति सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में उत्पन्न समस्याएं दूर हो जाएंगी। इस अवधि में आपका पार्टनर हर फैसले में आपका साथ देगा।

कच्चे माल की घटी कीमतें, तब भी आपका बिल क्यों नहीं घटीं

नई दिल्ली । एजेंसी

एफएमसीजी इंडस्ट्री में काम आने वाले अधिकतर कच्चे माल की कीमतें या तो स्थिर हैं या फिर घटी हैं। इसके बावजूद कंज्यूमर गुड्स की कीमतों में आपको राहत नहीं मिल रही हैं। इसकी वजह बताई है हमारे सहयोगी अखबार इकॉनमिक टाइम्स ने। इसकी एक रिपोर्ट का कहना है कि इस तरह का सामान बनाने वाली कंपनियों ने अपने प्रोफिट मार्जिन को मेंटेन रखने के लिए खुदरा कीमतें नहीं घटाई हैं। हो सकता है कि ये कंपनियां निकट भविष्य में कीमतें बढ़ा भी दें।

इनपुट कॉस्ट में कमी

ज्यादातर कंस्यूमर गुड्स कंपनियों की तरफ से पिछली कुछ तिमाहियों में होम, पर्सनल और फूड कैटिगरी से जुड़े प्रोडक्ट की कीमतों में कटौती की गई है। इसके बावजूद उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें दो साल पहले की तुलना में अधिक बनी हुई हैं। कंस्यूमर गुड्स कंपनियों का कहना है कि कच्चे माल, सप्लाई चेन में बढ़ती लागत को मेंटेन करने के लिए पिछले दो साल में कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। दरअसल, कॉस्ट इंफ्लेशन कोरोना महामारी के साथ शुरू हुई और यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद इसमें और इजाफा हुआ है। इकॉनमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एक साल पहले की तुलना में क्रूड ऑयल, पॉम ऑयल और कॉफी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। जबकि कोको, कॉफी और चीनी की कीमतों में तेजी से इजाफा हुआ है।

प्रोडक्ट की कीमतें सामान्य

पारले प्रोडक्ट्स के सीनियर कैटेगरी हेड (मार्केटिंग) कृष्णराव बुद्ध का कहना है कि हमें इस तथ्य को स्वीकार करना होगा कि मौजूदा प्रोडक्ट की कीमतें अब सामान्य हैं। हालांकि कुछ कच्चे माल की कीमतें नीचे हैं, फिर भी हम विशेष रूप से फूड सेगमेंट में इनपुट कॉस्ट पर दबाव देख रहे हैं। ऐसे में प्रोडक्ट्स की कीमतें या तो स्थिर रहेंगी और कुछ मामलों में बढ़ सकती हैं, लेकिन आगे कीमतों में कटौती की संभावना नहीं है।

निकट भविष्य में और बढ़ सकती हैं कीमतें

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के अनुसार, हाउसहोल्ड केयर प्रोडक्ट, फूड और पेय पदार्थों की कीमतें पिछले 10 वर्षों में दोगुनी से अधिक हो गई हैं, लेकिन कोविड के बाद इसमें बढ़ोतरी काफी तेज थी। विश्लेषकों का कहना है कि पिछले एक साल में कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आई है, ऐसे में कंपनियों ने मार्जिन एक्सपेंसन के जरिए प्रॉफिट को बरकरार रखा है। BNP ईंई ने हाल में जारी एक रिपोर्ट में कहा था कि कंपनियां निकट भविष्य में कीमतें बढ़ाने से हिचकेंगी।

ओरल केयर में सबसे ज्यादा इजाफा

रिपोर्ट के अनुसार ब्यूटी और पर्सनल केयर की कुछ कैटिगरी में पिछले दो महीनों में मामूली कीमतों में कटौती हुई हैं, लेकिन ओरल केयर में सबसे बड़ी कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई है। डिटर्जेंट और डिश वॉश की कीमतों में पिछले छह महीनों में 15% की कटौती हुई है, लेकिन दो साल पहले की तुलना में अभी भी 4-30% की बढ़ोतरी हुई है। फूड और पेय प्रोडक्ट में खाने के तेल को छोड़कर पिछले छह महीनों में कीमतें काफी हद तक अपरिवर्तित रही हैं। उदाहरण के लिए, साबुन की कीमतों में पिछले छह महीनों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। लेकिन दो साल पहले की तुलना में यह 15-20% अधिक हैं। दो साल के आधार पर ओरल केयर कैटिगरी में कीमतों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है, जिससे कोलगेट कंपनी का एबिटा मार्जिन दिसंबर क्वॉर्टर में 33.6% की रेकॉर्ड ऊंचाई छू गया है।

कुछ सामानों के दाम घटे हैं

पिछले दो वर्षों में डिटर्जेंट की कीमतों में 15% की बढ़ोतरी के बाद इस कैटिगरी में पिछली तिमाही में कीमतों में कटौती देखी गई हैं। कच्चे माल की कीमतें बढ़ने लगी हैं, लेकिन कीमतें बढ़ाना मुश्किल हो सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती उपभोक्ता वस्तुओं (FMCG) की बिक्री में वृद्धि ने लगभग तीन वर्षों में पहली बार शहरी मार्केट को पीछे छोड़ दिया है। इसे डिमांड में सुधार का शुरुआती संकेत बताया जा रहा है।

भारतीय सेना हो रही ताकतवर; अब अमेरिका ने भी कबूला, कहा- चीन को पछाड़ने की तैयारी

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के शीर्ष खुफिया अधिकारी ने संसद को बताया कि चीन को पछाड़ने के लिए भारत अपनी सेना को लगातार आधुनिक बना रही है। साथ ही रूस पर से उसकी निर्भरता भी कम हो रही है। पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत विश्व में लगातार अपनी धमक बना रहा है। इस बात को अब अमेरिका ने भी कबूल लिया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के शीर्ष खुफिया अधिकारी ने संसद को बताया कि भारतीय सेना लगातार अपनी ताकत बढ़ा रही है। चीन को पछाड़ने और रूसी उपकरणों पर निर्भरता कम करने के लिए भारत अपनी सेना को लगातार आधुनिक बना रहा है।

अमेरिका में रक्षा खुफिया एजेंसी के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल जेफरी क्रूस चीन का मुकाबला करने को लेकर संसद में चल रही बैठक के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने सदन में सशस्त्र सेवा समिति और खुफिया उपसमिति के सदस्यों को बताया कि पिछले वर्ष भारत ने जी-20 के आर्थिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर खुद को एक वैश्विक अगुआ के रूप में प्रदर्शित किया है और पूरे हिंद प्रशांत क्षेत्र में पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) की गतिविधि का मुकाबला करने के लिए खुद को सक्षम साबित किया है।

उन्होंने कहा कि भारत ने प्रशिक्षण और रक्षा बिक्री के माध्यम से फिलीपीन जैसे क्षेत्रीय दक्षिण चीन सागर दावेदारों के साथ हिंद प्रशांत क्षेत्र में उन्नत साझेदारी की है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस व जापान के साथ अपने सहयोग को और मजबूत किया है। क्रूस ने कहा, '2023 में भारत ने चीन से प्रतिस्पर्धा करने और रूसी उपकरणों पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए अपनी सेना को आधुनिक बनाने के लिए कई कदम उठाए। भारत ने स्वदेशी विमानवाहक पोत का समुद्री परीक्षण किया और प्रमुख रक्षा प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण पर कई पश्चिमी देशों के साथ बातचीत भी की है।'

महंगाई का झटका! आलू-प्याज की कीमतों में हुआ इजाफा

नई दिल्ली। एजेंसी

लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी को महंगाई का झटका लगा है। सरकार की ओर से जारी थोक महंगाई के आंकड़ों से इसका पता चला है। फरवरी में डब्ल्यूपीआई आधारित थोक महंगाई दर 0.20 फीसदी पर थी। यह मार्च में बढ़कर 0.53 फीसदी पर पहुंच गई है। इसमें सबसे ज्यादा इजाफा आलू और प्याज की कीमतों में देखने को मिला है। थोक महंगाई दर (WPI) मार्च के महीने में मामूली रूप से बढ़ी है। देश में सब्जियों, आलू, प्याज और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण थोक महंगाई मार्च में मामूली रूप से बढ़कर 0.53 प्रतिशत हो गई। थोक मूल्य सूचकांक (WPI) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। नवंबर में यह 0.26 प्रतिशत थी। दिसंबर, 2022 में यह 5.02 प्रतिशत के स्तर पर थी।

आलू-प्याज हुए महंगे

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा, '' अखिल भारतीय थोक मूल्य सूचकांक (WPI) आंकड़ों पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर मार्च 2024 में 0.53 प्रतिशत (अस्थायी) रही। ''आलू की मुद्रास्फीति मार्च 2023 में 25.59 प्रतिशत थी जो मार्च 2024 में 52.96 प्रतिशत रही। प्याज की मुद्रास्फीति 56.99 प्रतिशत रही जो मार्च 2023 में शून्य से नीचे 36.83 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के बढ़ने से इस साल मार्च में कच्चे पेट्रोलियम खंड में मुद्रास्फीति 10.26 प्रतिशत बढ़ गई।

खाद्य पदार्थों की कीमतें

हालांकि, मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट के कारण इस साल मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) आधारित मुद्रास्फीति मार्च में बढ़कर 5.66 प्रतिशत हो गई। यह फरवरी में 5.09 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति मार्च में 8.52 प्रतिशत रही जो फरवरी में 8.66 प्रतिशत थी।

खुदरा महंगाई दर 10 महीने के निचले स्तर पर

5.09% से घट कर मार्च में 4.85% पर पहुंची

नई दिल्ली। एजेंसी

सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई दर मार्च में मुद्रास्फीति पिछले महीने के 5.09% की तुलना में 10 महीने के निचले स्तर 4.85% पर आ गई है। शुक्रवार को सरकार की ओर से यह आंकड़ा जारी किया गया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों से पता चला है कि मार्च में भारत की खुदरा मुद्रास्फीति पिछले महीने (फरवरी 2024) के 5.09 प्रतिशत की तुलना में सालाना आधार पर 4.85 प्रतिशत हो गई। रॉयटर्स के एक सर्वेक्षण में महंगाई दर घटकर 4.91 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था।

एमपीसी की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर ने महंगाई पर की थी ये टिप्पणी

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने FY25 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक के परिणामों की घोषणा करते हुए मुद्रास्फीति को प्रमुख चुनौती बताया था। उन्होंने इस 'Elephant in the Room' के रूप में संदर्भित किया था। उस दौरान आरबीआई गवर्नर ने संकेत दिए थे कि खुदरा मुद्रास्फीति धीरे-धीरे 4 प्रतिशत की वांछनीय सीमा के भीतर लौट रही है।

क्या है सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई दर?

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) उपभोक्ता के दृष्टिकोण से वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में परिवर्तन को मापता है। केंद्रीय बैंक मूल्य स्थिरता बनाए रखने की अपनी भूमिका में इस आंकड़े का इस्तेमाल करता है। पूर्वानुमान से अधिक मजबूत सीपीआई रीडिंग आमतौर पर रुपये की मजबूती के लिए सहायक (बुलिश) होती है, जबकि पूर्वानुमान से कमजोर रीडिंग आमतौर पर रुपये के लिहाज से नकारात्मक (मंदी वाली) होती है।खुदरा महंगाई के आंकड़े एनएसओ व एमओएसपीआई के फील्ड ऑपरेशंस डिवीजन के कर्मचारियों की ओर से साप्ताहिक रोस्टर के आधार पर राज्यों व संघ शासित प्रदेशों को कवर करते हुए एकत्र किए जाते हैं। इस दौरान 1114 शहरी बाजारों और 1181 गांवों से मूल्यों का आंकड़ा एकत्र किया जाता है। मार्च 2024 के महीने के दौरान, NSO ने 99.8% गांवों और 98.5% शहरी बाजारों से कीमतें एकत्र की हैं।

टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और शेल ने भारत में ईवी चार्जिंग का बेहतर अनुभव देने के लिये भागीदारी की

इंदौर।आईपीटी नेटवर्क

टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लि. (टीपीईएम), भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के क्षेत्र में बदलाव लाने के लिये मशहूर, ने शेल इंडिया मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड (एसआईएमपीएल) के साथ एक नॉन-बाइंडिंग समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं। इसके तहत भारत में पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिये दोनों कंपनियों ने आपस में सहयोग किया है। यह गठजोड़ शेल के विस्तृत फ्यूल स्टेशन नेटवर्क और टीपीईएम को भारत की सड़कों पर चल रहे 1.4 लाख से ज्यादा टाटा ईवी से मिलने वाली जानकारियों का इस्तेमाल करेगा। चार्जर्स ऐसी जगहों पर स्थापित किये जाएंगे, जहाँ टाटा ईवी के मालिक अक्सर आते हैं। इसके अलावा, दोनों कंपनियाँ चार्जिंग के बेहतरीन अनुभव देने के लिये भी काम करेंगी।

भारत में ईवी मालिकों का अनुभव बेहतर बनाने के लिये टीपीईएम और शेल इंडिया मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड (एसआईएमपीएल) के बीच हुए इस अनुबंध का लक्ष्य दोनों कंपनियों की शक्तियों का लाभ उठाना है। इस प्रकार देश में ज्यादा से ज्यादा लोगों को इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा। दोनों कंपनियाँ भुगतान की सुविधाजनक प्रणालियाँ और लॉयल्टी प्रोग्राम्स भी पेश करने के बारे में सोच रही हैं। इससे टीपीईएम के ग्राहकों के लिये महत्व काफी बढ़ जाएगा।

टीपीईएम भारत में ईवी के बाजार में अग्रणी है और अपने पोर्टफोलियो में चार उत्पादों के साथ इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल्स के बाजार में उसकी हिस्सेदारी 71% है। टीपीईएम ने गुरुग्राम में अपना पहला ईवी-एक्सक्लूसिव स्टोर खोलकर देश में ईवी इकोसिस्टम को आगे बढ़ाने की पहल की है। भारत में चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिये कंपनी विभिन्न चार्ज पॉइंट ऑपरेटर्स के साथ काम कर रही है। शेल ईवी के रिचार्ज लोकेशंस पर भरोसेमंद और अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग मिलेगी। वहाँ चार्जर अपटाइम 98% -99% रहेगा। इन लोकेशंस पर सुविधाजनक रिटेल की पेशकश भी होती है, जिसमें ताजा भोजन और पेय विकल्प शामिल हैं। यह सभी बातें मिलकर ग्राहक के संपूर्ण अनुभव को बेहतर बनाने में मदद करती है और अतिरिक्त महत्व तथा सहूलियत देती हैं।

कोटक नेक्स्टजेन बैंकर्स प्रोग्राम के लिये मणिपाल एकेडमी ऑफ बीएफएसआई के साथ गठबंधन

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

कोटक महिन्द्रा बैंक ने कोटक नेक्स्टजेन बैंकर्स प्रोग्राम लॉन्च करने के लिये मणिपाल एकेडमी ऑफ बीएफएसआई के साथ साझेदारी की है। इसके तहत, उद्योग के लिये तैयार प्रतिभाओं को कौशल प्रदान किया जाएगा और उन्हें बढ़ावा दिया जाएगा। इसमें भाग लेने वाले लोग बैंकिंग उद्योग की लगातार बदल रहीं आवश्यकताएं पूरी करेंगे। रिलेशनशिप बैंकिंग में 12 महीने का पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा बैंकिंग में काम करने की आकांक्षा रखने वालों को ग्राहक अनुभव में प्रशिक्षित करेगा। इसके अंत में कोटक महिन्द्रा बैंक लि. में ब्रांच रिलेशनशिप मैनेजर (डिप्टी मैनेजर) का निश्चितड रोजगार मिलेगा।

बैंकिंग और फाइनेंस के बदलते परिदृश्य के कारण ऐसी प्रतिभाओं की मांग बढ़ गई है, जो ग्राहकों

की लगातार बदल रही आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुसार हों। कोटक नेक्स्टजेन बैंकर्स प्रोग्राम बैंकिंग उद्योग की आवश्यकताओं को सम्बोधित करेगा और खुशनुमा तथा ग्राहक पर केन्द्रित सेवाएं देने में बैंक का सहयोग करेगा। बैंक के बैंकिंग विशेषज्ञों और प्रमुख लोगों से कक्षा में और रोजगार के दौरान मिलने वाला प्रशिक्षण इन प्रतिभाओं को कोटक महिन्द्रा बैंक की संस्कृति और उद्योग से मान्यता-प्राप्त प्रकियाओं में बढ़ावा देगा।

विराट दीवानजी, ग्रुप प्रेसिडेंट एवं हेड- कंज्यूमर बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक लि. ने कहा, ''हम प्रतिभा को बढ़ावा देने और बैंकिंग उद्योग के लिये नये जमाने के रिलेशनशिप मैनेजर्स तैयार करने के लिए मणिपाल एकेडमी ऑफ बीएफएसआई के साथ जुड़कर खुश हैं। कोटक महिन्द्रा नेक्स्टजेन बैंकर्स प्रोग्राम महत्वाकांक्षी और आकांक्षी युवाओं के लिये एक बेहतरीन लॉन्च पैड है। उन्हें अपने बैंकिंग कॅरियर में तरक्की और सफलता के लिये कुशलताएं मिलेंगी।''

फ्लिपकार्ट ने यात्रा पेशकशों में अपनी उपस्थिति बढ़ाई

ऐप पर बस बुकिंग्स को लॉन्च किया

बेंगलुरु। आईपीटी नेटवर्क

भारत के घरेलू डिजिटल कॉमर्स इकोसिस्टम, फ्लिपकार्ट ने अपने ऐप पर बस सेवाओं को शुरू करने की घोषणा की है। कई राज्यों के परिवहन निगमों और निजी एग्रीगेटर्स के सहयोग में फ्लिपकार्ट ग्राहकों के लिये 10 लाख बस कनेक्शंस में से चुनने का विकल्प पेश करेगी। इसमें भारत के 25,000 से अधिक मार्गों पर कनेक्टिविटी मिलेगी। यह फ्लाइट और होटल बुकिंग की उन सेवाओं के अतिरिक्त एक पेशकश है, जोकि फ्लिपकार्ट ट्रेवल बैनर के तहत उपलब्ध रही हैं।

यह लॉन्च अपने सेगमेंट में यात्रियों की बढ़ती जरूरतें पूरी करने के लिये फ्लिपकार्ट की योजना के मुताबिक है। फ्लिपकार्ट के मौजूदा ग्राहकों की संख्या और खासकर बस यात्रियों के बीच काफी समानताएं देखते हुए, कंपनी का यह प्रस्ताव एक प्रतिस्पर्द्धी परिदृश्य में स्थिति को बदल देगा। यह किफायती यात्रा को संभव बनाने के लिये है। बस बुकिंग्स के लिये सुपरकॉइन्स का रिडेम्पशन एक अनूठी मूल्य-वर्द्धित खूबी है, जो फ्लिपकार्ट के नये और मौजूदा ग्राहकों के लिये उपलब्ध है।

फ्लिपकार्ट पर बस बुकिंग सेवा की महत्वपूर्ण विशेषताओं में बेहतरीन डील्स, शून्य सुविधा शुल्क या गुप्त प्रभार, 50 रूपये तक सुपरकॉइन्स रिडेम्पशन के जरिये ऑफर्स और 24/7 वॉइस हेल्पलाइन शामिल हैं। लॉन्च ऑफर के तहत ग्राहक 15 अप्रैल 2024 तक होने वाली हर बस बुकिंग के लिये सुपरकॉइन्स पर 5% की अतिरिक्त छूट और 15% की सीधी छूट का मजा ले सकते हैं।

इस नई प्रगति पर अपनी बात रखते हुए, फ्लिपकार्ट के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अजय वीर यादव ने कहा, ''फ्लिपकार्ट की सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला में बसों का जुड़ना हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम यात्रा समेत उपभोक्ता की सभी आवश्यकताओं के लिये निर्णायक ठिकाना बनने के सफर पर हैं। टीयर-2 और टीयर-3 बाजारों में फ्लिपकार्ट की मजबूत मौजूदगी के साथ यह कदम ग्राहकों को अंतर्शहरी यात्रा की उनकी जरूरतों के लिये सुविधाजनक एवं भरोसेमंद समाधान प्रदान करना हमारे लिये संभव बनाता है।

सैमसंग ने भारत में एआई टीवी के नए युग की घोषणा की

नियो क्यूएलईडी 8K, नियो क्यूएलईडी 4K और ओएलईडी टीवी लॉन्च किए

बेंगलुरु। आईपीटी नेटवर्क

भारत की सबसे बड़ी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने बेंगलुरु के सैमसंग ओपेरा हाउस में आयोजित 'अनबॉक्स एंड डिस्कवर' इवेंट में अपने अल्ट्रा-प्रीमियम नियो क्यूएलईडी 8K, नियो क्यूएलईडी 4K और ओएलईडी टीवी के लॉन्च के साथ एआई टीवी के एक नए युग की घोषणा की है। नियो क्यूएलईडी 8K, नियो क्यूएलईडी 4K और ओएलईडी टीवी की 2024 सीरीज पावरफुल, एआई-आधारित सोल्यूशन के साथ आपके घरेलू मनोरंजन को और बेहतर बनाएगी।

इस मौके पर सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा 'सैमसंग उपभोक्ताओं की जीवनशैली को बेहतर बनाने के लिए अपने प्रोडक्ट्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की नई क्रांतिकारी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहा है। यही कारण है कि हमने अपने उपभोक्ताओं को शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए घरेलू मनोरंजन में एआई को जोड़ा है। नियो क्यूएलईडी 8K, नियो क्यूएलईडी 4K और ओएलईडी टीवी की हमारी 2024 रेंज घरेलू मनोरंजन को नई पहचान देती है। इसके अलावा ये रेंज ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की ताकत का इस्तेमाल करते हुए इस्तेमाल में आसानी, मजबूती और सुरक्षा के नए मानक स्थापित करती है।

सैमसंग इंडिया में विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मोहनदीप सिंह ने कहा 'टेलीविज़न आधुनिक जीवन के केंद्रबिंदु के रूप में उभरे हैं। ये टेक्नोलॉजी और जीवनशैली को सहजता से एक दूसरे के साथ जोड़ रहे हैं। भारत में बड़ी स्क्रीन साइज की बढ़ती मांग उपभोक्ताओं की प्रीमियम टीवी के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाती है। हम ऐसे एआई टीवी लॉन्च कर रहे हैं जिन्हें ऑडियो और विजुअल के नए मानक स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एआई के पावर से चलने वाले 8K नियो क्यूएलईडी, 4K नियो क्यूएलईडी और ओएलईडी टीवी की हमारी नई रेंज के लॉन्च के साथ हमें विश्वास है कि भारत के बाजार में हमारी लीडरशिप पोजीशन और मजबूत होगी।''

ओला ने एस1एक्स रेंज के इलेक्ट्रिक स्कूटर्स के साथ मास मार्केट सेगमेंट में प्रवेश किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एस1एक्स पोर्टफोलियो के लिए नई कीमतों की घोषणा करके इलेक्ट्रिक स्कूटरों की डिलीवरी के बारे में भी जानकारी दी एस1एक्स तीन बैटरी कॉन्फिगुरेशंस-2 किलोवॉट घंटा, 3 किलोवॉट घंटा और 4 किलोवॉट घंटा में उपलब्ध होगा, जिनका मूल्य क्रमशः 69,999 रुपये (इंट्रोडक्टरी मूल्य), 84,999 रुपये, और 99,999 रुपये होगा। एस1एक्स की डिलीवरी अगले सप्ताह से शुरू होगी। कंपनी ने एस1 प्रो, एस1 एयर, और एस1 एक्सः की नई कीमतों के बारे में भी बताया, जो अब क्रमशः 1,29,999 रुपये, 1,04,999 रुपये और 84,999 रुपये में मिलेंगे। साथ ही सभी एस1 स्कूटरों पर 8 सालॅ80,000 किलोमीटर की कॉम्प्लिमेंट्री बैटरी वॉरंटी बिना किसी अतिरिक्त लागत के दी जा रही है।

ओला के प्रवक्ता ने बताया हमारा मानना है कि भारत में ईवी का बाजार अपने चरम बिंदु तक पहुँच चुका है, और पिछले माह टू-व्हीलर सेगमेंट में ईवी का पेनेट्रेशन अब तक के सबसे ऊँचे स्तर पर था। हमारा एस1एक्स पोर्टफोलियो ईवी की ऊँची अपफ्रंट लागत का हल लेकर आया है, जो ईवी को अपनाने में आने वाली सबसे बड़ी अड़चनों में से एक है। ओला की मजबूत लागत संरचना और वर्टिकली इंटीग्रेटेड इन-हाउस टेक्नोलॉजी एवं मैनुफैक्चरिंग क्षमताओं के कारण हम अपने इलेकट्रिक स्कूटर बहुत ही प्रतिस्पर्धी मूल्य में पेश कर पाए। एस1एक्स के नए मूल्यों और लोकप्रिय मूल्यों में विस्तृत उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ हमें विश्वास है कि हम देश में ईवी का पेनेट्रेशन बढ़ाने में मदद करेंगे।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।